लोक सभा

अतारांकित प्रश्नत संख्य्923

02 मार्च, 2015 को उत्तमर के लिए

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम

923. श्री अभिषेक सिंह:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय खनिज विकास निगम की कुल कितनी खानें हैं और गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष तथा चालू वर्ष के दौरान इससे कुल कितना राजस्व अर्जित किया गया है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान अर्जित राजस्व से स्थानीय विकास और कल्याणकारी कार्यों पर कितनी धनराशि खर्च की गई है;

(ग) क्या छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय खनिज विकास निगम का मुख्यालय राज्य में स्थापित करने संबंधी कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में अब तक क्या कार्रवाई की गई है?

उत्त)र

इस्पा◌ात और खान राज्य् मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क): छत्तीसगढ़ में एनएमडीसी की दो खानें नामश: बैलाडिला लौह अयस्क खान, किरनदुल और बैलाडिला लौह अयस्क खान, बछेली हैं। गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान इनसे अर्जित कुल राजस्व निम्नानुसार है:

खान का नाम	**वित्तीय वर्ष**		
	2011-12	2012-13	2013-14
बीआईओएम परिसर, किरनदुल			करोड़ रूपये में
राजस्व	3470	2508	3359
पीबीटी (कर पूर्व लाभ)	2713	1677	2283
बीआईओएम परिसर, बछेली			करोड़ रूपये में
राजस्वम	5851	5391	5499
पीबीटी (कर पूर्व लाभ)	4678	3851	3461

(ख): गत तीन वर्षों के दौरान अर्जित राजस्व में से धनराशि निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत स्थानीय विकास और कल्याण कार्यों पर खर्च किया गया है। इनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:

खान का नाम	**वित्तीयवर्ष**		
	2011-12	2012-13	2013-14
बीआईओएम परिसर , किरनदुल			करोड़ रूपये में
निगमित सामाजिक उत्त रदायित्व के तहत खर्च की गई धनराशि	28.10	28.82	30.26
बीआईओएम परिसर , बछेली			करोड़ रूपये में
निगमित सामाजिक उत्त रदायित्व के तहत खर्च की गई धनराशि	28.50	29.90	47.71

(ग) और (घ): एनएमडीसी का मुख्यालय छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित करने का अनुरोध प्राप्त हुआ है। एनएमडीसी एक बहु-इकाई, बहु-उत्पाद और बहु-स्थानिक संगठन हैं, जो अपने खानों का प्रचालन छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में कर रहा है। एनएमडीसी के कार्यालय आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में स्थित हैं तथा मुख्यालय हैदराबाद में स्थित है, जो देश के भीतर और विदेशों में अपनी नीतियों और गतिविधियों का संचालन कर रहा है। हैदराबाद स्थित मुख्यालय का वर्तमान स्थान छत्तीसगढ़ के सामुदायिक विकास को किसी भी रूप में बाधित नहीं करता है।

*****